India's Largest Online Community for IAS, Civil Services Aspirants

UPSC PORTAL
http://www.upscportal.com

साप्ताहिक समसमायिकी

(महत्वपूर्ण घटनाओं का संग्रह)

दिनांक

24.05.2014 से 30.05.2014 तक

- National
- International
- Economy, India and The World
- Sports, Environment, In The News
- Science and Technology
- Newspaper Editorials

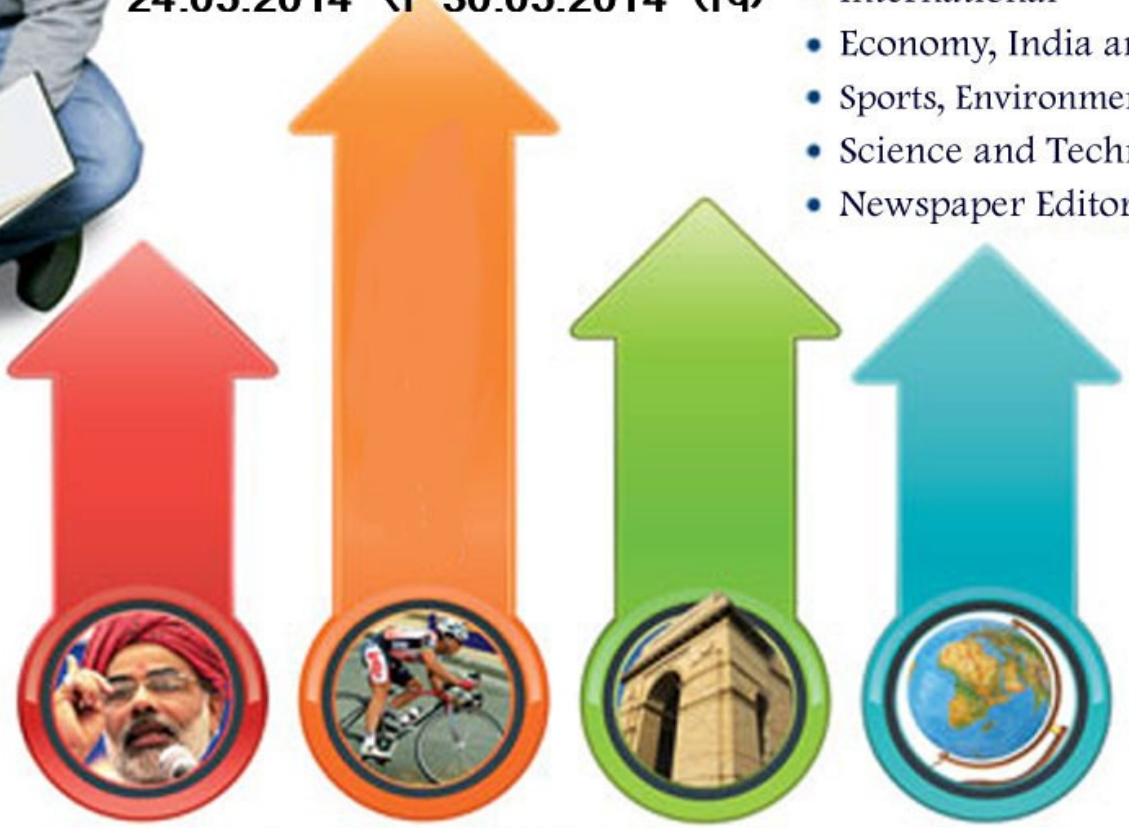

www.upscportal.com

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

समसामयिकी साप्ताहिकी (दिनांक 24-05-2014 से 30-05-2014 तक)

जैवविविधता का संरक्षण (सभार- पीआईबी)

जैवविविधता का संरक्षण और उसका निरंतर उपयोग करना भारत के लोकाचार का एक अंतरंग हिस्सा है। अभूतपूर्व भौगोलिक और सांस्कृतिक विशेषताओं ने मिलकर जीव जंतुओं की इस अद्भुत विविधता में योगदान दिया है जिससे हर स्तर पर अपार जैविक विविधता देखने को मिलती है। भारत में दुनिया का केवल 2.4 प्रतिशत भू-भाग है जिसमें 7 से 8 प्रतिशत भू-भाग पर विश्व की विभिन्न प्रजातियां पाई जाती हैं। प्रजातियों की संवृधि के मामले में भारत स्तनधारियों में 7वें, पक्षियों में 9वें और सरीसृप में 5वें स्थान पर है। विश्व के 11 प्रतिशत के मुकाबले भारत में 44 प्रतिशत भू-भाग पर फसलें बोई जाती हैं। भारत के 23.39 प्रतिशत भू-भाग पर पेड़ और जंगल फैले हुए हैं। दुनियाभर की 34 चिह्नित जगहों में से भारत में जैवविविधता के तीन हॉटस्पॉट हैं- जैसे हिमालय, भारत बर्मा, श्रीलंका और पश्चिमी घाट। पर्यावरण के अहम मुद्दों में से आज जैवविविधता का संरक्षण एक अहम मुद्दा है विश्व की जैवविविधता को कई कारणों से चुनौती मिलती है। राष्ट्रों, सरकारी एजेंसियों और संगठनों तथा व्यक्तिगत स्तर पर जैविक विविधता के संवंर्धन और उसके संरक्षण की बड़ी चुनौती है । 22 मई दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जैव विविधता अधिनियम, 2002

जैवविविधता अधिनियम, 2002 भारत में जैवविविधता के संरक्षण के लिए संसद द्वारा पारित एक संघीय कानून है। जो परंपरागत जैविक संसाधनों और ज्ञान के उपयोग से होने वाले लाभों के समान वितरण के लिए एक तंत्र प्रदान करता है। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) की स्थापना 2003 में जैव विविधता अधिनियम, 2002 को लागू करने के लिए की गई थी। एनबीए एक सांविधिक, स्वायत संस्था है। यह संस्था जैविक संसाधनों के साथ-साथ उनके सतत उपयोग से होने वाले लाभ की निष्पक्षता और समान बटवारे जैसे मुद्दों पर भारत सरकार के लिए सलाहकार और विनियामक की भूमिका निभाती है।

जैव विविधता के स्तर

समुद्री जैव विविधता समुद्र और महासागरों में पलने वाले जीवन को दर्शाता है। समुद्री पर्यावरण में 33 वर्णित जंतु संघों में से 32 जंतु संघ पाये जाते हैं। इसलिए इसका स्तर बहुत ऊँचा है। वन जैव विविधता में वन क्षेत्रों में पाये जाने वाले सभी जीव जंतु हैं जो कि पर्यावरण में पारस्थितिक भूमिका निभाते हैं। अनुवांशिक विविधता में एक प्रजाति की अनुवांशिक बनावट और उसकी विशेषताएं शामिल होती हैं। प्रजाति विविधता विभिन्न प्रजातियों की प्रभावी संख्या है जो उनके डॉटा बेस में परिलक्षित होती है प्रजाति विविधता में दो तत्व होते हैं एक

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

प्रजाति समृद्धि और दुसरी प्रजातियों की इवननैस। पारिस्थितिक तंत्र विविधता रहने वाले स्थानों के कई अलग-अलग प्रकारों के बारे में इंगित करती हैं |

हॉटस्पॉट

एक जैव विविधता वाला हॉटस्पॉट ऐसा जैविक भौगोलिक क्षेत्र है िजसमनुष्यों से खतरा रहता है। विश्व भर में ऐसे 25 आकर्षण के केन्द्र हैं इन केन्द्रों में विश्व के 60 प्रतिशत पौधों, पक्षियों, स्तनपाई प्राणियों, सरीसृपों और उभयचर प्रजातियों का संरक्षण किया जाता है। प्रत्येक आकर्षण का केन्द्र आज खतरे के दौर से गुजर रहा है। और अपने 70 प्रतिशत मूल प्राकृतिक वनस्पति को खो चुका है।

बायोस्फीयर और जैव विविधता भंडार

भारत सरकार ने देश भर में 18 बायोस्फीयर भंडार स्थापित किये हैं जो जीव जंतुओं के प्राकृतिक भू-भाग की रक्षा करते हैं और अकसर आर्थिक उपयोगों के लिए स्थापित बफर जोनों के साथ एक या ज्यादा राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य को संरक्षित रखने का काम करते हैं।

जैवविविधता के संरक्षण के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रयास

वन्य जीव जन्तु और फ्लोरा की विलुप्त प्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन-सीआईटीईएस पर 3 मार्च, 1973 को वाशिंगटन डीसी में हस्ताक्षर किये गये थे। वर्ष 2000 के अगस्त में इस सम्मेलन के 152 देश सदस्य थे। सीआईटीईएस का उद्देश्य वन्य जीव के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रतिबंध लगाना है। । जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (सीबीडी) 1992 एक बहु पक्षीय संधि है। इस संधि के तीन मुख्य लक्ष्य हैं – जैसे जैविक विविधता का संरक्षण उनके घटकों का निरंतर प्रयोग और उनसे होने वाले लाभ के निष्पक्ष और समान वितरण शामिल हैं।

जैव विविधता के फायदे

जैव विविधता फसलों से भोजन, पशुओं, वानिकी और मछली प्रदान करता है। जैव विविधता उन्नत किस्में प्रजनन के लिए एक स्रोत सामग्री के रूप में और नए जैव निम्नीकरण कीटनाशकों के एक स्रोत के रूप में, नई फसलों के एक स्रोत के रूप में आधुनिक कृषि के लिए उपयोग में आती है। जैव विविधता चिकित्सीय गुणों के साथ पदार्थों की एक समृद्ध स्रोत है। कई महत्वपूर्ण औषधि संयंत्र आधारित पदार्थों के रूप में में उत्पन्न होते हैं जिनकी उपयोगिता मानव स्वास्थ्य के लिए अमूल्य है।

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

वेक्टर जनित बीमारियों से बचाव (सभार- पीआईबी)

एक तुच्छ दिखने वाले जीवाणु द्वारा मामूली रूप से काटा जाना किसी की जिन्दगी को भीषण खतरे में डाल सकता है। क्या आप इस बात पर विश्वास करेंगे कि हर वर्ष रोगाणुवाहक जीव (वेक्टर) जन्य बीमारियों के कारण दस लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। यह सही है,मच्छर जैसे जीवों के काटने से होने वाली मौतों की संख्या चिंताजनक ढंग से बढ़ रही है। उष्णकटिबंधीय स्थितियां रोगाणुओं और बैक्टिरिया के अस्तित्व के लिएअत्यंत अनुकूल समझी जाती है और वे कीटों और सूक्ष्म जीवों के प्रसार को बढ़ावा देती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ऐसी बीमारियों के समूह की ओर ध्यान आकर्षित कर रहा है, जो कीटाणुओं और अन्य रोगाणुवाहक जीवों से फैलती हैं। ये बीमारियां स्वास्थ्य सेवाओं और अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डालती हैं। ऐसे में यह विचारणीय है कि इस बोझ को कम करने के लिए क्या किया जाए। इन रोगों के संक्रमण के बाद बच जाने वाले कई लोग स्थायी रूप से कमजोर, विरूपित, विकलांग या दृष्टिबाधित हो जाते हैं।

इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस का नारा 'सूक्ष्म डंक बड़ा खतरा' वेक्टरजन्य बीमारियों के चिन्ताजनक ढंग से बढ़ने की ओर ध्यान आकृष्ट करता है। यह नारा सरकारों, स्थानीय अधिकारियों, सामुदायिक संगठनों और व्यक्तियों को एकजुट होकर वेक्टरजन्य बीमारियों की रोकथाम करने का आग्रह करता है।

महामारी विज्ञान के अनुसार वेक्टर ऐसे जीव समूह हैं जो रोगाणुओं और परजीवियों को किसी संक्रमित व्यक्ति (अथवा पशु) से अन्य व्यक्ति तक पहुंचाते हैं। वेक्टरजन्य रोग ऐसी बीमारियां हैं, जो इन रोगाणुओं और परजीवियों द्वारा मनुष्यों में फैलती हैं और विश्व में सभी संक्रामक बीमारियों में से लगभग 17 प्रतिशत इन्हीं बीमारियों के कारण हैं। हालांकि ये बीमारियां उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सर्वाधिक होती हैं, जहां 40 प्रतिशत आबादी इनसे प्रभावित होती है, लेकिन वैश्विकरण, जलवायु परिवर्तन और शहरीकरण के असर से ये बीमारियां उन देशों में भी फैलने लगी हैं, जहां कभी पहले उनका अस्तित्व नहीं था।

क्रम सं0	**रोग का नाम**	**रोगाणुवाहक जीव (वेक्टर)**	**कारक जीवाणु**	**निश्चित परिणाम**
1.	डेंगू	संक्रमित मादा एडिज	वायरस	2.5 अरब से अधिक

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

		एजिप्टी मच्छर		आबादी-यानि विश्व की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी को डेंगू से खतरा
2.	मलेरिया	संक्रमित मादा एनोफेलिस मच्छर	परजीवी पलासमोडियम	दुनिया भर में, मलेरिया संक्रमण 97 देशों में - लगभग 3.4 अरब लोगों को खतरा
3.	लिम्फेटिक फिलेरियासिस या एलिफेंटियासिस	संक्रमित मच्छर - क्यूलेक्स, एनोफेलिस, एडिस	फिलेरियल परजीवी	वर्तमान में 12 करोड़ से अधिक संक्रमित और 4 करोड़ विरूपित और अक्षम
4.	चिकनगुनिया	संक्रमित मादा एडिज एजिप्टी मच्छर	वायरस	रोग का कोई निश्चित उपचार नहीं, उपचार लक्षण के आधार पर
5.	येलो फीवर	संक्रमित मच्छर एडिज और हीमागोगस	वायरस	येलो फीवर में रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे अधिक महत्वपूर्ण। रोग का कोई निश्चित उपचार नहीं
6.	शिसटोसोमियासिस	संक्रमित जल, पानी में जोंक के परजीवी का लारवा	परजीवी ट्रेमाटोड चपटे कीडें	यह रोग उन गरीब समुदायों में होता है जहां सुरक्षित पेय जल और सफाई का अभाव होता है।
7.	चगास रोग (अमरीकी ट्राईपानो सोमियासिस)	ट्राइटोमाइन कीड़ा	प्रोटोजोअन परजीवी ट्राइपेनोसोमा क्रूजी	जीवन के लिए खतरनाक, दुनियाभर में 70-80 लाख लोग, अधिकतर दक्षिण अमरीका में संक्रमित।

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

				कोई टीका नहीं
8.	कांगो - क्रीमियाई हीमोनहेज फीवर	टिक्स और मवेशी	नायरो वायरस	इस रोग में मृत्युदर 40 प्रतिशत, मनुष्यों और पशुओं के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं
9.	मानव अफ्रीकी ट्राईपानोसोमियासिस (नींद वालीबीमारी)	संक्रमित त्सेत्से मक्खी	प्रोटोजोअन परजीवी	घातक, तुरंत पहचान नहीं और उपचार भी नहीं
10.	लीशमेनियासिस (काला- ज़ार)	संक्रमित मादा रेतीली मक्खी	प्रोटोजोअन लीशमेनियासिस परजीवी	हर वर्ष 13 लाख नये मामले और 20 -30 लाख तक मौतें

रोकथाम और नियंत्रण

अब समय आ गया है कि रोगाणुवाहक जीव (वेक्टर) जन्य बीमारियों को कम करने के लिए वेक्टर नियंत्रण की पूरी क्षमता का उपयोग किया जाये। वर्ष 1940 के दशक में सिंथेटिक कीटनाशकों का निर्माण बहुत बड़ी उपलब्धि थी और 1940 तथा 50 के दशकों में बड़े पैमाने पर इन कीटनाशक दवाओं के इस्तेमाल से कई रोगाणुवाहक जीव (वेक्टर) जन्य बीमारियों पर काबू पाया गया। लेकिन पिछले दो दशकों में रोगाणुवाहक जीव (वेक्टर) जन्य बीमारियां फिर से उभरी हैं या दुनिया के कई नये हिस्सों में फैल गई हैं। रोगाणुवाहक जीव (वेक्टर) जन्य बीमारियों के इस खतरनाक प्रसार के साथ कीटनाशक दवाओं की रोधात्मक शक्ति के बारे में भी गंभीर चिंता पैदा हो गई है। इसके साथ ही दुनिया में कीट-विज्ञानियों और रोगाणुवाहक जीव (वेक्टर) जन्य बीमारियों के विशेषज्ञों की भी कमी हो गई है, जो इन बीमारियों के नियंत्रण के लिए एकीकृत प्रबंधन का प्रभावी तरीका अपनाते हैं। इसमें घरों में स्प्रे करने से लेकर कीट-भक्षी जीवों के इस्तेमाल जैसे उपायों का बेहतर तरीके से उपयोग शामिल है। यह समन्वित प्रबंधन बहुत उपयोगी है क्योंकि भौगोलिक प्रभाव के कारण कई रोगाणुवाहक जीव (वेक्टर) जन्य बीमारियां एक साथ ही पनपती हैं।

रोगाणुवाहक जीव (वेक्टर) जन्य बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के उपाय:-

मच्छरदानियों का प्रयोग
घरों के अंदर स्प्रे
घरों के बाहर स्प्रे
पानी में रसायन डालना

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

मच्छर भगाने वाले कॉयल्स और वेपोराइजिंग मैट्स का इस्तेमाल
रोगाणुवाहक (वेक्टर) जीवों के बढ़ने पर रोक लगाना
परजीवियों, कीटभक्षियों या अन्य जीवों के इस्तेमाल के जरिए रोगाणुवाहक (वेक्टर) जीवों के बढ़ने पर नियंत्रण
रोगाणुवाहक (वेक्टर) जीवों की उत्पत्ति पर नियंत्रण के उपाय
कूड़ा कचरा प्रबंधन

राष्ट्रीय

नरेंद्र मोदी बने देश के 15वें प्रधानमंत्री

भारतीय राजनीति में नए युग की शुरुआत करते हुए नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री के रूप पद की शपथ ली। उनके नेतृत्व में राजग सरकार में 45 मंत्री हैं। इस बार के लोकसभा चुनावों ने 30 साल बाद स्पष्ट बहुमत के साथ कोई सरकार दी है।

मोदी ने भाजपा को अकेले दम पर विजय दिलाई। 63 वर्षीय मोदी देश के 15वें प्रधानमंत्री बने। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में 3000 से अधिक लोगों की मौजूदगी में हुए भव्य समारोह में उन्हें और उनकी मंत्रिपरिषद के सदस्यों को राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने शपथ दिलाई।

राजनाथ सिंह, सुषमा स्वराज, अरुण जेटली, एम वेंकैया नायडू, नितिन गडकरी, उमा भारती, मेनका गांधी, अनंत कुमार, रवि शंकर प्रसाद, स्मृति ईरानी और हर्षवर्धन ने कैबिनेट मंत्रियों के रूप में शपथ ली।

सहयोगी दलों में से लोजपा के राम विलास पासवान, शिरोमणि अकाली दल से हरसिमरत कौर, शिवसेना से अनंत गीते और तेदेपा से अशोक गजपति राजू ने बतौर कैबिनेट मंत्री शपथ ली।

पडोसी देशों से बेहतर सम्बन्ध को बनाने के मकसद से शपथ ग्रहण समारोह में सार्क देशों के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया था । जिनमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ,श्रीलंका के राष्ट्रपति महिन्दा राजपक्षे, अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई और मॉरीशस के राष्ट्रपति नवीन चंद्र रामगुलाम समारोह में उपस्थित थे।

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

एसआइटी (विशेष जांच टीम)

नरेंद्र मोदी सरकार ने विदेशों में जमा काले धन का पता लगाने के लिए विशेष जांच टीम (एसआइटी) का गठन किया है । सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज एमबी शाह की अध्यक्षता में एसआइटी काम करेगी। सुप्रीम कोर्ट के एक अन्य रिटायर जज अरिजीत पसायत एसआइटी के उपाध्यक्ष होंगे| एसआइटी में सदस्य के रूप में राजस्व सचिव, भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर, खुफिया ब्यूरो के निदेशक, निदेशक (प्रवर्तन), सीबीआइ निदेशक, अध्यक्ष केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), महानिदेशक (राजस्व खुफिया), निदेशक (वित्तीय खुफिया) और निदेशक (रॉ) शामिल होंगे।

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक एसआइटी का गठन किया है। ये मुद्दा हमारे लिए काफी महत्त्वपूर्ण है। एसआइटी को हसन अली के मामलों में और काले धन के अन्य मसलों में जांच, कार्रवाई करने और मुकदमा चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसआइटी के अधिकारक्षेत्र में वे सभी मामले आएंगे, जिनमें या तो जांच शुरू हो चुकी है या लंबित है या जांच शुरू की जानी है या फिर जांच पूरी हो गई है। एसआइटी एक व्यापक कार्ययोजना तैयार करेगी, जिसमें आवश्यक संस्थागत ढांचा तैयार करना शामिल है, जो देश को काले धन के खिलाफ लड़ाई में मदद करेगा।

अनुच्छेद 370

अनुच्छेद 370 को लेकर ताजा विवाद प्रधानमंत्री कार्यालय के नए राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह की टिप्पणी के बाद शुरू हुआ। जिसमें उन्होंने कहा कि वह इस मसले पर बहस के लिए तैयार हैं। सिंह ने कहा था, " अगर हम इस पर बहस नहीं करते हैं तो आप कैसे उनको यह बता पाने में समर्थ हो पाएंगे जो यह समझने में असमर्थ हैं कि अनुच्छेद 370 की वजह से वे किन चीजों से वंचित रह गए।"

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर उठे विवाद के बीच आज मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से कहा कि वह उन पक्षों की जानकारी दे िजनसराज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद को हटाने के संबंध बातचीत हो रही है, वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस मामले में कहा कि किसी को चर्चा कराने में आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

उमर अब्दुल्ला ने आज कहा संविधान सभा को आहूत किए बिना अनुच्छेद 370 को नहीं हटाया जा सकता। संविधान सभा ने भारत के साथ जम्मू-कश्मीर के विलय को मंजूरी दी थी। उमर ने कहा कि अनुच्छेद 370 पर

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

देश के लोगों के बीच जानबूझकर भ्रम पैदा किया जा रहा है। इससे राज्य के लोगों में अलगाव की भावना और बढ़ सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य बलों की वापसी

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा है कि 2016 के अंत तक अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य बलों की पूरी तरह से वापसी से पहले इस वर्ष के अंत तक वहां अमेरिका अपने जवानों की संख्या कम करके 9800 कर देगा। सेना के पूरी तरह हटने के साथ ही 9/11 हमले के बाद शुरू हुई अमेरिका की यह सबसे लंबी लड़ाई समाप्त हो जाएगी।

व्हाइट हाउस के 'रोज गार्डन' में संवाददाताओं से बातचीत में ओबामा ने कहा, ''हमने जो काम शुरू किया था उसे समाप्त कर रहे हैं।''उन्होंने कहा, ''हम अफगानिस्तान में बहुत लंबे वक्त से हैं, िजसकबहुत सारे अमरिकियों को अंदाजा भी नहीं था।''

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में फिलहाल 32,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं जिनकी संख्या 2015 के शुरू तक घटाकर 9,800 कर दी जाएगी। इस संख्या को 2015 के अंत तक घटाकर आधा कर दिया जाएगा और 2016 तक इनकी कुल संख्या कम होकर ''दूतावास में सामान्य उपस्थिति''तक सीमित हो जाएगी।

थाईलैंड में तख्तापलट

एक रक्तहीन क्रांति में तख्तापलट करने के एक दिन बाद थाईलैंड के सैन्य शासन के द्वारा देश की सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री यिंगलक शिनावात्रा और उनके ताकतवर व्यापारिक घराने के कुछ सदस्यों को हिरासत लिया गया है ।

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

यिंगलक (46) तख्तापलट होने वाली सरकार के उन 100 से अधिक शीर्ष राजनीतिक हस्तियों में शामिल थीं जिन्हें आज सेना के सामने पेश होने के निर्देश दिए गए थे। यिंगलक को कई घंटों तक एक सैन्य इकाई में रखा गया और फिर किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया।

खुद को नया प्रधानमंत्री नियुक्त करने वाले थलसेना प्रमुख प्रयुत चान ओचा ने गवर्नर, उद्योगपतियों और नौकरशाहों को बैठक के लिए बुलाया था। प्रयुत ने देश के छह सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को देश चलाने के लिए नियुक्त किया है। वहीं प्रांतीय कमांडर स्थानीय सरकार का निगरानी करेंगे।

मिस्र: राष्ट्रपति चुनाव

मिस्र के पूर्व सैन्य प्रमुख अब्दुल फतह अलसीसी ने राष्ट्रपति चुनावों में भारी जीत हासिल की है|सरकारी मीडिया ने कहा है कि अंतरिम परिणामों में अधिकांश मतदान केंद्रों पर हुई मतगणना में अल सीसी को कुल मतों के 93 प्रतिशत मत मिले हैं|

चुनावों के मद्देनजर अधिक से अधिक लोगों को मतदान केंद्रों तक लाने के अभियान के बावजूद लगभग 46 प्रतिशत ही मतदान हो पाया था| मिस्र के अधिकांश राजनीतिक गुटों ने इस चुनाव के बहिष्कार की घोषणा की थी|

मुस्लिम ब्रदरहुड ने कहा था कि अधिकांश उदारवादी और धर्मनिरपेक्ष समूहों की तरह वो भी मतदान का बहिष्कार करेगा|अल सीसी के सामने हमदीन सबाही राष्ट्रपति पद के एकमात्र उम्मीदवार थे. हमदीन सबाही ने कुछ समय पहले कहा था कि उनकी टीम ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान कई 'अनियमतताओं' को रिकॉर्ड किया है|

हालांकि हमदीन ने अपने समर्थकों द्वारा चुनाव बहिष्कार की अपील को ख़ारिज कर दिया था. उन्होंने कहा था कि यह मिस्र की जनता के हित में नहीं है.सरकारी नियंत्रण वाले अल अहराम अख़बार के अनुसार, सबाही को 2 करोड़ 47 लाख मतों में से करीब 760,000 ही मत मिले|

आर्थिक

रिलायंस ने गैस के दाम अधिक वसूले : कैग

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (कैग) ने केजी-डी6 क्षेत्र से रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा मंजूर से अधिक दाम वसूलने के लिए खिंचाई की है। इसके अलावा कंपनी ने रॉयल्टी व सरकार की हिस्सेदारी की गणना के लिए मार्केटिंग मार्जिन भी शामिल नहीं किया, िज पर भी कैग ने आपत्ति जताई है। सरकार ने अक्तूबर, 2007 में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा बड़े ग्राहकों के लिए खोजे गए मूल्य के आधार पर 4.20 डॉलर प्रति इकाई (एमएमबीटीयू)यानी प्रति इकाई बिक्री मूल्य तय किया था।

कैग ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के पूर्वी अपतटीय केजी-डी ब्लाक पर खर्च के बारे में आडिट रिपोर्ट में कहा है कि कंपनी ने उपभोक्ता से 4.205 डॉलर प्रति इकाई का मूल्य वसूला िजससे96.8 लाख डॉलर की अतिरिक्त बिलिंग हुई। आपरेटर आरआइएल की अपनाई गई मूल्य खोज प्रक्रिया के तहत यह स्पष्ट किया गया था कि बिक्री मूल्य दशमलव के निकटतम दो अंकों तक ही रखा जाएगा।

ग्राहकों को गैस की बिक्री संबंधी दस्तावेजों को देखने से पता चला हैै कि कंपनी ने 4.20 डॉलर प्रति इकाई की जगह 4.205 डॉलर की दर से कीमत वसूली। सके अलावा कंपनी ने अपने विपणन जोखिम की भरपायी करने के लिए 0.135 प्रति इकाई का मार्केटिंग मार्जिन लिया।

\

सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह को भागीदारी बेचने की अनुमति दी

सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह को विदेश में तीन होटलों की भागीदारी बेचकर धन की व्यवस्था करने के लिए अपने कर्जदाता बैंक आॅफ चाइना से संपर्क करने की गुरुवार को अनुमति दे दी। इससे जेल में बंद समूह के मुखिया सुब्रत राय को छुड़वाने के लिए जमानत राशि की व्यवस्था करने में मदद मिल सकती है। लेकिन अदालत ने अपने पहले के आदेश में सुधार के लिए राय की नई याचिका पर अपना फैसला फिलहाल सुरक्षित रखा है। अदालत ने उस आदेश के तहत राय से पांच हजार करोड़ रुपए नकद भुगतान करने और इतनी ही राशि की बैंक गारंटी देने को कहा है।

समूह लंदन में एक होटल और न्यूयार्क में दो होटलों में अपनी भागीदारी बेचने कर 60 दिन के भीतर शेष पांच हजार करोड़ रुपए की बैंक गारंटी भी जमा कर देगा। न्यायमूर्ति तीरथ सिंह ठाकुर और न्यायमूर्ति एके सीकरी की खंडपीठ ने कहा कि सहारा समूह बैंक आॅफ चाइना से पत्राचार करेगा। िजसनेविदेशों में होटल खरीदने के लिए काफी बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी है। सहारा को इस पत्राचार के नतीजे के बारे में एक हफ्ते के भीतर हलफनामा दाखिल करना होगा।

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

टाटा स्टिल सर्वश्रेष्ठ भारतीय इस्पात कंपनी

टाटा स्टील को अमेरिका की शोध कंपनी डन एंड ब्राडस्ट्रीट (डीएंडबी) की ओर से सर्वश्रेष्ठ भारतीय इस्पात कंपनी का पुरस्कार मिला है।

कंपनी ने एक विज्ञप्ति में बताया, डीएंडबी की ओर से यह पुरस्कार दिया गया है। इससे पहले डीएंडबी ने टाटा स्टील को 'इंडिया,ज टॉप 100 कंपनीज 2014' की सूची में शामिल किया है। कंपनी को यह पुरस्कार विभिन्न प्रकार के कारोबार एवं सामाि‍ज मानदंडों के आधार पर उल्लेखनीय कार्य के लिए मिला है।

डीएंडबी की ओर से मुंबई में आयोि‍ज पुरस्कार वितरण समारो‍ेह में टाटा स्टील की ओर से कंपनी के उपाध्यक्ष (कॉरपोरेट सेवा) सुनील भास्करन ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

गैर वित्तीय कंपनी के अधिग्रहण के लिए रिजर्व बैंक की मंजूरी जरूरी

गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के संचालकों का सुपात्र चरित्र सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व बैंक ने कहा है कि ऐसी किसी भी इकाई के अधिग्रहण या उसका नियंत्रण हासिल करने के लिए अब लिखित रूप से उसकी अनुमति की जरूरत होगी।

केंद्रीय बैंक की अधिसूचना में कहा गया है, 'एनबीएफसी के अधिग्रहण या नियंत्रण चाहे वह शेयरों के अधिग्रहण या किसी अन्य रूप में हो, इसके लिए रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति जरूरी होगी। इसके अलावा किसी एनबीएफसी का किसी अन्य इकाई के साथ विलय या फिर किसी अन्य इकाई का एनबीएफसी में विलय, ि‍जसक्‍तहत किसी अन्य इकाई का उस एनबीएफसी पर शेयर के जरिये नियंत्रण हो जाएगा, के लिए भी रिजर्व बैंक की अनुमति की जरूरत होगी।

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

भारत एवं विश्व

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने भारत-पाकिस्तान के नेताओं की बातचीत का किया स्वागत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके पाकिस्तानी समकक्ष नवाज शरीफ के बीच भारत में हुई बातचीत का स्वागत करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान कीमून के प्रवक्ता ने कहा है कि सकारात्मक बातचीत के लिए किए जाने वाले हर प्रयास का संयुक्त राष्ट्र समर्थन करता है।

मोदी और शरीफ के बीच बैठक और द्विपक्षीय संबंधों में आई गर्माहट के बारे में पूछे जाने पर बान के प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने कल यहां संवाददाताओं से कहा, "हम हमेशा रिश्तों में गर्माहट का स्वागत करते हैं। हम हमेशा इस चीज का स्वागत करते हैं कि आपस में मतभेदों वाले देश एक दूसरे के साथ सकारात्मक और रचनात्मक बातचीत में शामिल हो रहे हैं।

शरीफ उन आठ क्षेत्रीय नेताओं में से एक थे, जिन्हें मोदी ने 26 मई को आयोजित अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया था।

नरेन्द्र मोदी सरकार के साथ काम करने में चीन उत्सुक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार के कार्यभार संभालने के बाद चीन ने भारत के नए नेतृत्व के साथ जल्दी ही उच्च स्तरीय संपर्क स्थापित कराने की आज रुचि जताई ताकि राजनीतिक, व्यापार और आर्थिक क्षेत्रों में बातचीत को बढ़ावा मिल सके।

चीन के प्रभावशाली स्टेट कॉ सिलस्यांग जीची ने भारत के राजदूत अशोक के कांत के साथ यहां एक बैठक में कहा, "चीन भारत के साथ संबंधों को उच्च महत्व देता है और भारत की नई सरकार के साथ काम करने को तैयार है।

पंचशील की 60वीं वर्षगांठ के समारोहों में भारत के एक शीर्ष नेता के शामिल होने को लेकर चीन उत्सुक है। पंचशील सिद्धांतों की शुरुआत तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और उनके तत्कालीन समकक्ष चाउ एनलाई ने संयुक्त रूप से की थी।

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

चीन, भारत और म्यामां के नेताओं के आयोजन है। में शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन 28 जून को चीन में आयोिज होगा। पिछले साल चीन के राष्ट्रपति का कार्यभार संभालने वाले शी चिनफिंग ने नई सरकार के शपथ ग्रहण करने के बाद भारत की यात्रा को लेकर रुचि दिखाई है।

अमेरिका दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए भारत-पाकिस्तान-अफगानिस्तान पर निर्भर

अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति बराक ओबामा युद्धप्रभावित अफगानिस्तान से सैनिकों को वापस बुलाने का ऐलान कर चुके हैं और भारत, पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान में नए नेतृत्व के उदय ने क्षेत्र में स्थिरता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक अवसर मुहैया कराया है।

अफगानिस्तान में मौजूद अमेरिकी सैनिकों की संख्या 32,000 है और यह संख्या इस साल के बाद घट कर 9,800 रह जाएगी। उनकी योजना, अमेरिका के इस सर्वाधिक लंबे युद्ध का अंत करते हुए वर्ष 2016 के आखिर तक शेष अमेरिकी सैनिकों को वापस बुला लेने की है।

<u>विज्ञान एवं तकनीक</u>

वायरलेस पेसमेकर बनाने में अमेरिकी वैज्ञानिको को मिली सफलता

अमरीकी शोध वैज्ञानिकों ने एक आधुनिकतम वायरलेस पेसमेकर विकसित किया है। इसका आकार महज़ एक चावल के दाने िजतनयानी करीब तीन मिलीमीटर है । इसे एक खरगोश के शरीर में प्रत्यारोपित किया गया है। शोध वैज्ञानिकों ने खरगोश की छाती से कुछ सेंटीमीटर उपर एक मेटल प्लेट लगया है िजसकसहारे खरगोश की हृदय गति को नियंत्रित रखना संभव होगा। अगर यह प्रत्यारोपण मानव शरीर में कामयाब होता है तो आकार में छोटा होने के चलते इसे प्रत्यारोपित करना आसान होगा.

यह शोध अमरीकी जर्नल 'प्रॉसिडिंग ऑफ़ द नेशनल अकादमी ऑफ़ साइंस' में प्रकाशित हुआ है। स्टैनफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने उम्मीद जताई है कि नए उपकरण से अभीक्लिक करें इस्तेमाल हो रहे पेसमेकर के अंदर मौजूद भारी भरकम बैटरी और उसे रिचार्ज करने की व्यवस्था से छुटकारा मिलेगा।

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

किलर रोबोट्स

यह छोटा सा टैंक, जो सिर्फ़ एक मीटर लंबा है और जिसे उत्तरी अमरीका की क्विनेटिग कंपनी ने बनाया है उन मानवविहीन वाहनों में एक है जिन्हें समुद्र, धरती और हवा में दुनिया भर की सेनाएं इस्तेमाल कर रही हैं.

आज 90 से ज़्यादा देश ऐसे सिस्टम्स को इस्तेमाल कर रहे हैं और शोध कंपनी आईएचएस के अनुसार 2014-23 तक यह उद्योग 57.32 ख़रब रुपए का हो जाएगा.

हार्पी ड्रोन

क्विनेटिग के घूमने वाले रोबोट्स को निगरानी करने या शुरुआती आक्रमण के लिए तैयार किया गया है. इन्हें ऐसी जगह भी इस्तेमाल किया जा सकता है, जहां चोर-फंदे बहुत ज़्यादा लगे हों और सैनिकों को भेजना ख़तरनाक हो सकता है.

ग्रेनेड लॉन्चर या मशीनगन से लैस कंपनी का नया मार्स मॉड्यूलर एडवांस्ड आर्म्ड रोबोटिक सिस्टम बेहद ख़तरनाक है लेकिन स्वतंत्र नहीं है.यह रिमोट से नियंत्रित होता है, जो 800 मीटर की दूरी से भी नियंत्रित किया जा सकता है.

हालांकि बहुत से आलोचकों की चिंता यह है कि रोबोटिक्स और लघु रूपांतरण (मिनिचुराइज़ेशन) में ये तकनीकी सुधार आर्टिफ़िशियल इंटेलीजेंस (एआई) की ओर ले जाएगा, जो अगर टर्मिनेटर निर्माण की ओर नहीं ले जाता, तो कम से कम उसके अपरिष्कृत पूर्ववर्ती की ओर ले जाएगा.

महत्वपूर्ण समाचार पत्रों से संपादकीय

सार्क से संवाद (सभार- जनसत्ता)

यह पहली बार हुआ कि भारत के किसी प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में सभी पड़ोसी देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भी शिरकत की। नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस पहल से जहां समारोह की शान बढ़ गई, वहीं यह अवसर सार्क देशों के साथ आपसी संबंध सुधारने की इच्छा का इजहार भी साबित हुआ। लेकिन इस मौके

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

की सीमाएं पहले से जाहिर थीं, अभी सार्क नेताओं के साथ सद्भावना दर्शाने वाली बातचीत ही हो सकती थी। स्वाभाविक ही सबसे ज्यादा दिलचस्पी नरेन्द्र मोदी की पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और श्रीलंका के राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे से होने वाली मुलाकातों को लेकर थी। यह अच्छी बात है कि मोदी के न्योते का इन दोनों देशों की सरकारों ने सौहार्द-भरा जवाब दिया।

नवाज शरीफ के भारत पहुंचने से पहले पाकिस्तान सरकार ने एक सौ इक्यावन भारतीय मछुआरों को और श्रीलंका सरकार ने अपने यहां बंद सभी भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया। संभव है कुछ दिनों में इसी तरह की सदाशयता भारत की ओर से भी नजर आए। पर यह एक मानवीय मसला है और इसे मानवाधिकारों और कैदियों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों की नजर से ही देखा जाना चाहिए। जबकि होता यह रहा है कि जब किसी तरफ से सौहार्द का कूटनीतिक संदेश देने की जरूरत महसूस होती है, तभी उन लोगों की सुध ली जाती है जो जाने-अनजाने समुद्री सरहद पार कर जाने के कारण बंदी बना लिए गए होते हैं और सीमापार की जेल में बरसों सड़ते रहते हैं। फौरी कूटनीति के तहत मछुआरों को छोड़ने के बदले इस बारे में एक स्थायी आचार संहिता बनाई जानी चाहिए।

नवाज शरीफ के आने से पहले हेरात में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर आतंकी हमला हुआ। यह किसी से छिपा नहीं है कि अफगानिस्तान में सक्रिय आतंकी गुटों के तार पाकिस्तान के वैसे ही गुटों से जुड़े रहे हैं, पाकिस्तान की सैन्य खुफिया एजेंसी आइएसआइ से भी उनकी मिलीभगत का शक जताया जाता है। लिहाजा, हामिद करजई और नवाज शरीफ, दोनों से हुई मोदी की बातचीत में आतंकवाद का मुद्दा उठा। करजई ने जहां हेरात हमले के लिए लश्कर-ए-तैयबा पर दोष मढ़ा, वहीं नवाज शरीफ ने इस पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने को सर्वोच्च लक्ष्य बताया, जो कि एक अवसरोचित कूटनीतिक बयान था। पर सवाल जवाबदेही का है।

समस्या यह है कि सुरक्षा संबंधी मामलों में पाकिस्तान की चुनी हुई सरकार की ज्यादा नहीं चलती। इन मामलों में वहां की सेना का रुख ही निर्णायक होता है, िजसक्वर्चस्व भारत को खतरा मानने के नजरिए पर टिका है। पर हमें पाकिस्तान से संवाद की प्रक्रिया चलाते हुए आतंकवाद के मामले में उसे अधिक जवाबदेह बनाना है तो मेल-मिलाप के लिए वहां की सरकार और लोकतांत्रिक प्रतिष्ठानों का हौसला बढ़ाना होगा। सार्क देशों के नेताओं में केवल शेख हसीना अपने पूर्व निर्धारित जापान-दौरे के कारण नहीं आईं, उनका प्रतिनिधित्व बांग्लादेश की संसद के अध्यक्ष ने किया। शेख हसीना के कार्यकाल में बांग्लादेश से भारत के रिश्ते बेहतर हुए। पर दोनों देशों में बहने वाली नदियों के जल-बंटवारे और सीमांकन के प्रस्तावित समझौते अब भी अधर में हैं। जब पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय मसलों पर बातचीत शुरू होगी, तभी विदेश नीति के मोर्चे पर मोदी सरकार का इम्तहान भी शुरू होगा

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

दबाव के बावजूद ठोस मंत्रिमंडल (सभार- नवभारत टाइम्स)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण आजाद भारत के इतिहास में कई दृष्टियों से अनोखा है। इसके िजतनहाई प्रोफाइल घटनाएं भारतीय राजनीति में कम ही घटी हैं। लेकिन लोगों को इंतजार इस सरकार की कार्यशैली देखने का है। आम चुनाव-2014 का जनादेश और किसी भी चीज से पहले एक कामकाजी सरकार के लिए है। सवाल यह है कि शपथ ग्रहण से सरकार का जो ढांचा उभरा है, वह इस कसौटी पर किस हद तक खरा उतरता दिख रहा है।

कुछ चीजें बिल्कुल साफ हैं। प्रांतों और पार्टियों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व न मिलने की खुली शिकायतों के बावजूद मंत्रिमंडल का आकार छोटा ही रखा गया है। एक भी बूढ़ा, जर्जर चेहरा मंत्रिमंडल में मौजूद नहीं है। लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी ही नहीं, भुवन चंद्र खंडूरी तक सीन से गायब हैं, जिनकी छवि अत्यंत कुशल केंद्रीय मंत्री की रही है। सहयोगी दलों के प्रति भरपूर आदर प्रदर्शित करने के बावजूद मोदी ने अपने मंत्री चुनते वक्त उन्हें कोई तवज्जो नहीं दी है। इस तरह उनका मंत्रिमंडल पहली नजर में भरपूर कार्यक्षमता वाला, अपेक्षाकृत लो-प्रोफाइल, नो-नॉनसेंस किस्म का समूह नजर आता है।

सबसे पहले तो इस सरकार को नीचे से ऊपर तक जवाबदेही की एक व्यवस्था बनानी होगी। कौन सा प्रॉजेक्ट पूरा होने की जिम्मेदारी किसकी है, यह बात शुरू से ही स्पष्ट होनी चाहिए। राजनेताओं की जवाबदेही तय हो, तभी वे नीचे अफसरों और कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित कर सकते हैं।

ऐसी व्यवस्था बन सकी तो लाखों करोड़ की लटकी हुई परियोजनाएं अगले दो-तीन सालों में पूरी हो जाएंगी और इसका श्रेय मोदी सरकार को जाएगा। अच्छा होगा कि कॉर्पोरेट घरानों की तिमाही रिपोर्ट की तरह इस सरकार के सभी मंत्रालय हर छह महीने पर बिल्कुल ठोस तरीके से यह बताएं कि उनके तयशुदा काम अभी कहां तक पहुंचे हैं, और उनमें से कोई अगर एक जगह ठहरा हुआ है तो इसकी वजह क्या है।

मोदी मिनिस्ट्री से एक बहुत बड़ी अपेक्षा पारदर्शिता की भी है, िजसकी पिछली सरकारों में नितांत अभाव रहा है। लोगों को सरकारी कामकाज के बारे में सारी सूचनाएं स्वत: उपलब्ध रहें तो सूचना के अधिकार के तहत

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

दफ्तरों के चक्कर काटने के बजाय वे कई मामलों में सरकार की सहयोगी भूमिका निभा सकेंगे। एक ठोस मंत्रिमंडल का गठन निश्चय ही एक अच्छी शुरुआत है।

काले धन पर कार्रवाई(सभार-बिज़नेस स्टैंडर्ड)

नई सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में जो इकलौता फैसला किया वह था काले धन के विभिन्न मामलों की जांच करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के दो सेवानिवृत्तन्यायधीशों के अधीन एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) काफी लंबे समय से यह मांग करती रही है कि भारतीयों द्वारा विदेशी खातों में जमा अवैध धन का पता लगाया जाना चाहिए। लालकृष्ण आडवाणी ने इसे वर्ष 2009 के चुनाव में मुद्दा बनाया और नरेंद्र मोदी ने हालिया आम चुनाव में इसे बार-बार दोहराया।

भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने यह वादा किया था कि काले धन को '150' दिनों में वापस लाया जाएगा। लिहाजा यह स्वाभाविक भी था कि नई सरकार इस मसले पर अपना ध्यान केंद्रित करती। सरकार को इस दिशा में सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने चाहिए। निश्चित तौर पर उसे एकपक्षीय ढंग से संधियों को खत्म करने से बचना चाहिए। इस जांच का मकसद राजनीतिक लाभ हासिल करना नहीं बल्कि व्यवस्था की मौजूदा खामियों को दूर करना है।

बहरहाल, उसे अपनी राजनीतिक प्रभुता का इस्तेमाल उन संधियों को नए सिरे से तय करने के लिए करना चाहिए िजनक्चलते देश में काले धन पर नियंत्रण करने में कठिनाई आई है। आमतौर पर यह माना जाता है कि मॉरीशस और सिंगापुर के साथ कर संधियों का इस्तेमाल भारतीय कर प्रशासन को धोखा देने और धनशोधन करने के लिए किया जाता है। कई बार इनका इस्तेमाल अवैध धन को घुमाफिराकर दोबारा अर्थव्यवस्था में लाने के लिए भी किया जाता है। इन संधियों पर नए सिरे से विचार किया जाना चाहिए। वहीं पैसे को दोबारा अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाने में पार्टिसिपेटरी नोट्स (पी-नोट्स) की भूमिका को भी कम करके नहीं आंकना चाहिए।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार ने दो मौकों पर पी-नोट्स के समुचित विनियमन के काम को ठुकरा दिया। उसने ऐसा इस भय से किया कि कहीं विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में अपनी हिस्सेदारी बेच न दें। वर्ष 2007 में जब यह प्रस्ताव था कि इनको चरणबद्घ ढंग से समाप्त किया जाएगा तब सरकार ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। इसके बाद वर्ष 2012 में चालू खाते पर दबाव बढ़ रहा था और करवंचना को रोकने संबंधी नियमों को नए सिरे से तय किया जा रहा था ताकि उनका लाभ पी-नोट्स न उठा सकें। लेकिन

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

पी-नोट्स का इस्तेमाल ही भारतीय प्रतिभूतियों में छद्म कारोबार के लिए होता है इसलिए इनका सहारा वही लोग लेते हैं जो केवल अपने कारोबारी प्रतिद्वंद्वियों को ही नहीं बल्कि कर अधिकारियों को भी गुमराह करना चाहते हैं।

तथ्य यह है कि इस वक्त बाजार की स्थिति इतनी मजबूत है कि सरकार संस्थागत विदेशी निवेशकों की आंखों में आंखें डालकर कह सकती है कि आसानी से गोपन रहकर कारोबार करने के दिन गए। अगर सरकार काले धन को लेकर गंभीर है तो उसे केवल काले धन की वापसी के लिए एसआईटी के गठन से संतोष नहीं करना चाहिए क्योंकि पिछली सरकार एक श्वेत पत्र के जरिये यह कह चुकी है कि अधिकांश कालाधन पहले ही अर्थव्यवस्था में वापस आ चुका है। असल लक्ष्य होना चाहिए कमियों को दूर करना और पैसे के दूसरे जरियों से वापस आने को रोकना। ऐसा करने के लिए वित्तीय सुधार जरूरी हैं। जरूरत यह है कि सभी एफआईआई को 'अपने ग्राहक को जानें' मानकों को पूरा करने को कहा जाए। इस वक्त पूरी दुनिया में माहौल ऐसी खामियों के प्रतिकूल बना हुआ है। भारत को भी इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। एसआईटी अच्छी शुरुआत है लेकिन इसके आगे और कदम उठाने होंगे।

प्रश्न(समसामयिकी)

1. निम्न कथन पर विचार करे -

1 मिस्र के पूर्व सैन्य प्रमुख अब्दुल फतह अलसीसी ने राष्ट्रपति चुनावों में भारी जीत हासिल की है|

2. सरकारी आकड़ो के हिसाब से अल-सीसी को कुल मतों के 93 प्रतिशत मत मिले हैं|

उपरोक्त में कौन सा/से कथन सत्य है/हैं ?

(अ) केवल 1

(ब) केवल 2

(स) न तो 1 और न ही 2

(द) 1 और 2 दोनों

उत्तर - द

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

2. पिछले दिनों निम्न में से किस देश में वह की सेना ने तख्तापलट कर दिया है ?

अ. थाईलैंड

ब. म्यामां

स. उत्तर कोरिया

द. इंडोनेशिया

उत्तर- अ

3. निम्न कथन पर विचार करे -

1. नरेंद्र मोदी सरकार ने विदेशों में जमा काले धन का पता लगाने के लिए विशेष जांच टीम (एसआइटी) का गठन किया है।

2. सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज एमबी शाह की अध्यक्षता में एसआइटी काम करेगी। सुप्रीम कोर्ट के एक अन्य रिटायर जज अरिजीत पसायत एसआइटी के उपाध्यक्ष होंगे|

उपरोक्त में कौन सा/से कथन सत्य है/हैं ?

(अ) केवल 1

(ब) केवल 2

(स) न तो 1 और न ही 2

(द) 1 और 2 दोनों

उत्तर - द

Online Coaching For IAS Exam (at just 100 Rs./month)
http://upscportal.com/civilservices/courses

4. अनुच्छेद 370 का संबंध किस राज्य से है ?

(अ) असम

(ब) मणिपुर

(स) जम्मू और कश्मीर

(द) सिक्किम

उत्तर - स

THE GIST DETAILS:

- **Medium: English**
- **Price: Rs. ~~600~~ Rs. 449**
- **No. of Booklets: 12 (1 Year)**
- **Publisher: UPSCPORTAL.COM**
- **File Type: PDF File Only (No Hard Copy)**

TOPICS OF THE GIST

- **Gist of The Hindu**
- **Gist of Yojana**
- **Gist of Kurukshetra**
- **Gist of Press Information Bureau**
- **Gist of Science Reporter**

For Full Information Click Here:

http://upscportal.com/civilservices/order-form/the-gist-subscription

WHY IS IT A WIN-WIN SITUATION FOR THE STUDENTS?

- You will be provided current affairs on various important topics on a weekly basis.
- Important national and international news from various sources at a single platform for your convenience.
- Each and every topic will be given point wise , making it easier to grasp.
- Very handy when it comes to various competitive exams…..

VARIOUS CATEGORIES:

- **Planning Commission**
- **Ministry of External Affairs**
- **National Portal of India**
- **National**
- **International**
- **Economy**
- **India And The World**
- **Sports**
- **In The News**
- **Science and Technology**
- **Burning Issues (Editorials From Different Newspapers)**

WHAT YOU WILL GET:

- **You will get (52 Issues) PDF Only no Hard Copy**

For Full Information Click Here:

http://upscportal.com/civilservices/current-affairs/weekly-update

Online Course for Civil Services Preliminary Examination

- **Online Coaching for CSAT Paper - 1 (GS) 2014**
  http://upscportal.com/civilservices/courses/ias-pre/csat-paper-1

- **Online Coaching for CSAT Paper - 2 (CSAT) 2014**
  http://www.upscportal.com/civilservices/courses/ias-pre/csat-paper-2

- **सामान्य अध्ययन प्रारंभिक परीक्षा के लिए ऑनलाइन कोचिं ग(पेपर** – 1)
  http://www.upscportal.com/civilservices/courses/ias-pre/csat-paper-1-hindi

- **सीसैट** (CSAT) **प्रारंभिक परीक्षा के लिए ऑनलाइन कोचिं ग(पेपर** - 2)
  http://www.upscportal.com/civilservices/courses/ias-pre/csat-paper-2-hindi

Online Course for Civil Services Mains Examination

- **General Studies Mains (NEW PATTERN - Paper 2,3,4,5)**
  http://www.upscportal.com/civilservices/courses/ias-mains-gs

- **Public Administration for Mains**
  http://www.upscportal.com/civilservices/courses/ias-mains-pub-ad

Online Course for One Day Examination

- **Online Coaching for SSC CGL (Tier-1) Exam**
  http://sscportal.in/community/courses/ssc-cgl-tier-1

- **SSC हिंदी Online Coaching**
  http://sscportal.in/community/courses/ssc-cgl-tier-1-hindi

For Full Information about Online Coaching Click below Link:
http://upscportal.com/civilservices/courses

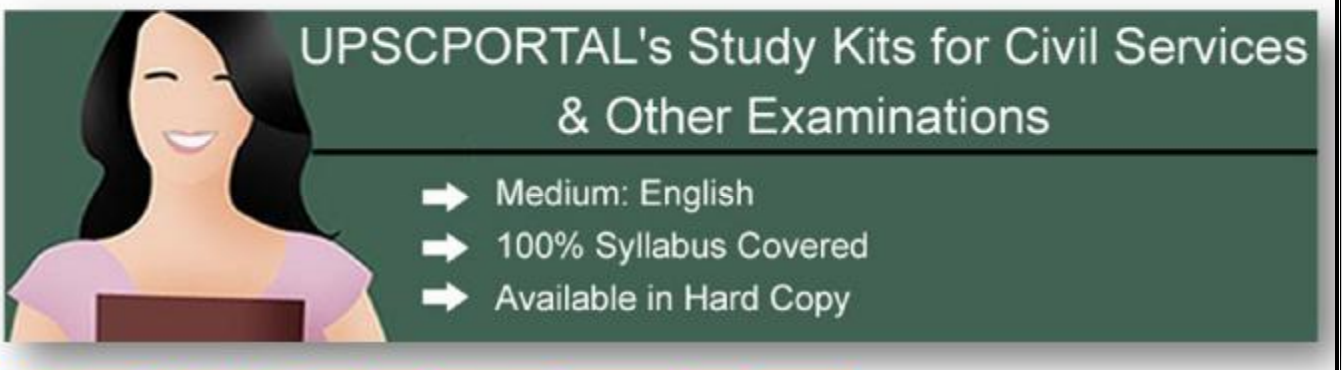

Study Kit for Preliminary Examinations:

- **IAS (Pre) GS Paper 1**
  http://upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-pre/csat-paper-1
- **IAS (Pre) GS Paper 2**
  http://upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-pre/csat-paper-2
- **आई. ए. एस. (सामान्य अध्ययन) प्रांरभिक परीक्षा 2014 पेपर -1**
  http://www.upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-pre/csat-paper-1-hindi
- **आई. ए. एस. (सी-सैट) प्रांरभिक परीक्षा 2014 पेपर -2**
  http://www.upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-pre/csat-paper-2-hindi
- **GS Foundation Course (PT+ MAINS) for 2014**
  http://upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-pre/general-studies-foundation-course
- **सामान्य अध्ययन (GS) फ़ाउनडेशन कोर्स (पी. टी. + मुख्य)**
  http://upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-pre/gs-foundation-course-hindi

Study Kit for Mains Examinations:

- **Contemporary Issues**
  http://www.upscportal.com/civilservices/study-kit/contemporary-issues-ias-mains
- **Public Administration**
  http://www.upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-mains-public-adminstration
- **Essay Writing**
  http://www.upscportal.com/civilservices/study-kit/essay-mains
- **English Grammar & Comprehension**
  http://www.upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-mains-english-compulsory
- **History**
  http://www.upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-mains-history
- **Philosophy**
  http://upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-mains-philosophy
- **Sociology**
  http://upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-mains-sociology
- **General Studies**
  http://www.upscportal.com/civilservices/study-kit/gs-mains

Study Kit for UPSC Other Examinations:

- **Armed Police Forces (CAPF)**
  http://upscportal.com/civilservices/study-kit/capf

Study Kit for Other One Day Examinations:

- **SSC Combined Graduate Level (Tier - I)**
  http://sscportal.in/community/study-kit/cgl

- **सीजीएल (टियर-1) अध्ययन सामग्री**
  http://sscportal.in/community/study-kit/cgl/tier-1-hindi

- **SSC Combined Graduate Level Examination (Tier - II)**
  http://sscportal.in/community/study-kit/cgl-tier-2

- **SSC Combined Higher Secondary Level (10+2) Examination**
  http://sscportal.in/community/study-kit/chsle

- **IBPS Specialist Officer Study Kit**
  http://bankpoclerk.com/community/study-kit/ibps-specialist-officer

- **IBPS Probationary Officer (PO) Study Kit**
  http://bankpoclerk.com/community/study-kit/ibps-po

- **IBPS Clerk Study Kit**
  http://bankpoclerk.com/community/study-kit/ibps-clerk

For Full Information about Study Kits Click below Link:

http://upscportal.com/civilservices/study-kit

What made
Gandhi
Gandhi.

SOUL

UPSC PORTAL
www.upscportal.com

UPSC PORTAL
45+ Final Selections!!
UPSCPORTAL'S TOPPERS
2012-13
TANU PRIYA
FRANK NOBLE A
ANURAG ARYA
GAURAV GROVER
Next Year it could be Yours??
JOIN NOW

What you will Get (?)

1. Public Administration (Paper - I &II) Online 100 % Reading Material of the Syllabus (Which Can be saved easily)

2. Slides (For Giving Summary of Each Chapters)

3. The 12 months support in the form of sharing with you updates, articles, reports and book briefing related to Public Administration. The purpose is to give you cutting edge over others.

4. Gist of National Administrative Committees Reports

5. Gist of Important Articles from the Journals of IIPA of last 25 years (Indian Institute of Public Administration, New Delhi)

6. Categorized Unit and Sub-Unit Wise Question Papers of Public Administration

7. Current Public Administration, A Monthly Magazine

8. List of Useful Diagrams and Charts- In Public Administration always pictorial presentations with explanations pay rich returns.

9. Strategy and Suggested Reading - It is full of tips on areas of emphasis, caution while reading and writing ,how to write the answer (?) and Suggested Reading on Public Administration.

10. Overview of Main Linkages- In Public Administration in your answer you have to form linkages from five to six topics. This is shortest key to get high score in Public Administration.

11. Online and Telephonic interaction with the course director, and continuous evaluation through a regular online writing session in every chapter. Both online discussion forum and evaluation page will give you insight to utilize the online study material & how to present your answers with the assistance of the Course Director.

For Full Information Click Here:

http://www.upscportal.com/civilservices/courses/ias-mains-pub-ad

What you will get:

Structure of Materials and Privileges in subscribing 'PUBLIC ADMINISTRATION STUDY KIT (Printed Study Materials for Public Administration Mains Examination)' :

1. **Public Administration (Paper I and Paper II) - Printed Reading Material covering whole syllabus (No need of book reading is required thereafter)**

2. **Summary of Administrative Committees Recommendations (National)** like Santhanam Committee on prevention of corruption, Sarkaria Committee, Punchhi Commission, Baswan Report, Second Administrative Reforms Commission, and many more National Committees.

3. **Gist of Selected Journals of IIPA (Indian Institute of Public Administration, New Delhi)** of last 25 years (As per your requirements in the exam, which we know better)- This section will help you to improve your quality of answers of comments and long and short questions.

4. **Categorized Unit and Sub-Unit Wise Question Papers of Public Administration**

5. **Current Public Administration, A Monthly Magazine**

6. **List of Useful Diagrams and Charts-** While answer writing in Public Administration always pictorial presentations with explanations (of Diagrams and Charts) pay rich returns. We will provide you the list of few diagrams and charts with explanation and on the same pattern you have to develop exhaustive list.

7. **Strategy and Suggested Reading -** It is full of tips on areas of emphasis, caution while reading and writing ,how to write the answer (?) and Suggested Reading on Public Administration.

8. **Overview of Main Linkages-** In Public Administration in your answer you have to form linkages from five to six topics. This is shortest key to get high score in Public Administration. We will provide you the list of few main linkages and on the same pattern you have to develop exhaustive list.

9. **Free membership of online course of Public Administration**

10. **Telephonic support from Course Director, you can call him at +91 7827687693 (10 AM to 7 PM)**

FOR FULL INFORMATION CLICK HERE:

http://www.upscportal.com/civilservices/study-kit/ias-mains-public-adminstration

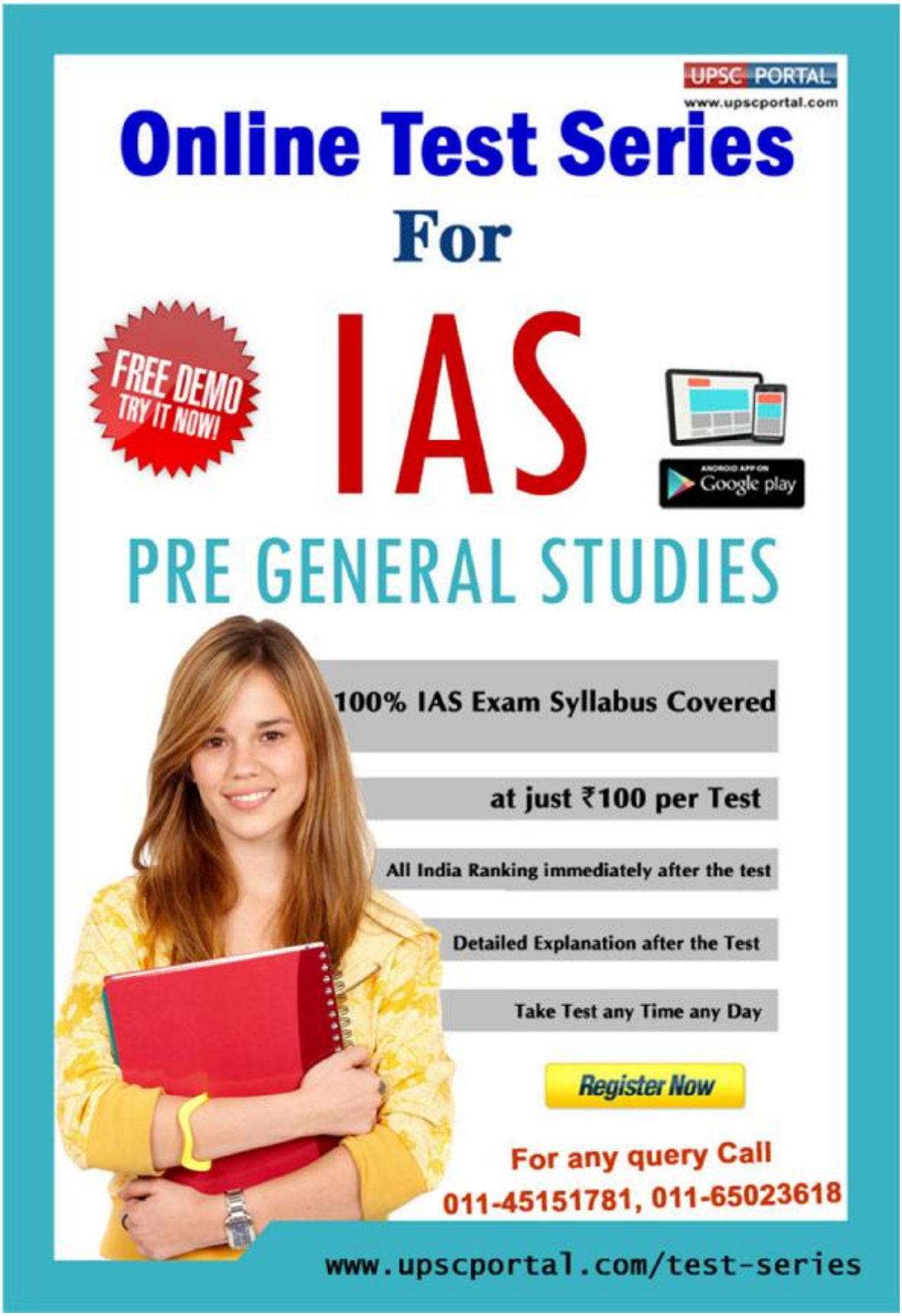

Click Here for Full Information:
http://upscportal.com/civilservices/test-series/online-ias-pre

TOPICS OF THE BOOK

- National Issues
- International Issues
- India & the World
- Economy
- Science and Technology
- Sports
- Awards & Prizes
- In the News
- MCQ's

Buy Current Affair 2014 From Flipkart:
http://www.flipkart.com/current-affairs-2014-civil-services-pcs-all-other-examination-6th/p/itmdspqhwurkhcnm?affid=kalinjargm

Buy Current Affair 2014 From Snapdeal:
http://jasper.go2cloud.org/SH4f2

Buy Current Affair 2014 From Amazon:
http://www.amazon.in/Current-Affairs-useful-other-examinations/dp/9382732837/ref=as_li_tf_til?tag=upscportal-21&linkCode=as1&creativeASIN=9382732837

For More Current Affairs Books Click below Link

http://upscportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Online Coaching for IAS PRE GS 2014 (at just 100 Rs per month)

What candidate will get:

1. All the relevant and required materials of subjects mention in the GS syllabus like:

- 100% IAS Exam Syllabus Covered with MCQs.
- History of India and Indian National Movement.
- Indian and World Geography - Physical, Social, Economic Geography of India and the World.
- Indian Polity and Governance - Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues, etc.
- Economic and Social Development -Sustainable Development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector initiatives, etc.
- General issues on Environmental Ecology, Bio-diversity and Climate Change - that do not require subject specialisation
- General Science.
- Current Affairs.

2. Home assignment: where Multiple Choice Questions of the learned chapters will be given for self evaluation.

3. Important current affairs materials for civil services preliminary examination will be provided

4. Online Tests will be conducted after the end of each subject.

5. At the end of your course, five comprehensive test will be conducted to evaluate your performance.

Click Here to Join IAS (Pre.) Online Coaching:
http://upscportal.com/civilservices/courses/ias-pre/csat-paper-1

Getting Started with IAS Exam Preparations - FAQ for New Aspirants

Civil Services is the dream of many students. No wonder, there is a great competition for this examination, given the prestige and power linked to the profile of a civil servant. However, a large majority of students are struggling without any proper guidance. Thus, at **UPSCPortal** we have come up with an initiative to guide the aspirants, in their journey through the IAS, IPS exam.

We have started with a series called- Getting Started with Civil Services Examinations, to guide you in your preparations. Every other day, we would come up with motivational and informative articles, discussing the various aspects of the civil services examination, and the possible strategies, that a candidate might choose to get success.

The Vision

Our aim is to guide the candidate, in making different decisions while facing the UPSC. We welcome the aspirants to discuss, with us, their problems and confusions, anytime. Any aspirant may subscribe to the **Getting Started Series**, and enjoy our support free of cost. You may, later, take our other products and services, if you so like.

We wish the candidates All the Best for the their preparations!!

- **Civil Services Exam: What, Why and How ?**
- **How to Read A Newspaper for IAS Exam**
- **Two more attempts in UPSC Exams: all boon and no bane!!**
- **How to Study? The Ultimate Dilemma**
- **Preparing for Civil Services without Coaching**
- **IAS Preparation for Rural/Remote Areas Students**
- **Why do Online Test Series?**
- **NCERT and NIOS Books for IAS Preparations**
- **Strategy for IAS Exam for Working Professionals**

For More Important Articles Click below Link

http://upscportal.com/civilservices/getting-started

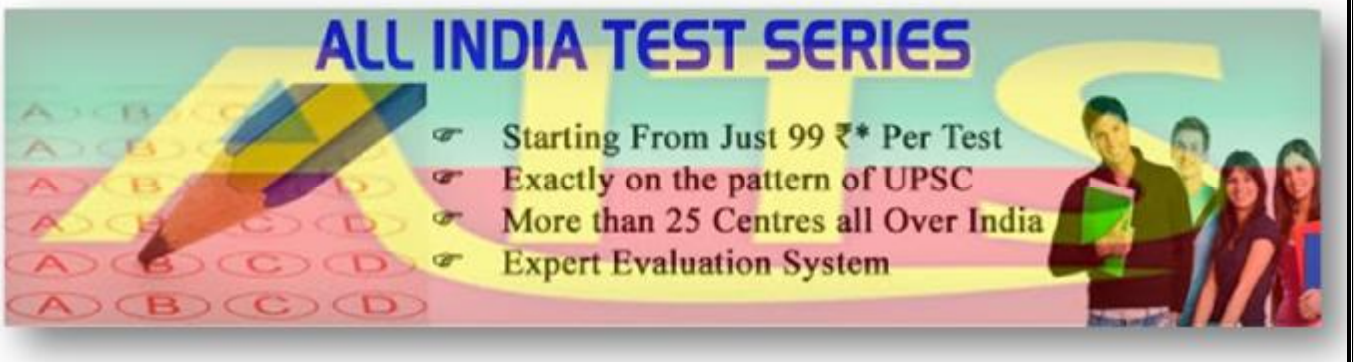

UPSCPORTAL All India Test Series (AITS)

Advantages of the Test Series - GOAL 2014 (EXPERT ASSESMENT SYSTEM)

There are scores of reasons, you should enroll for this course. Few of them are given below:

- Thousand of questions on all sections of both papers of P.T. examination. Explanations of many of these questions ensure preparation and practice at the same time.
- Questions have been prepared from wide range of **authentic sources** including: NCERT, other Text Books, The Hindu, Indian Express, Yojana, Online news sites, standard reference books, India year book, Economic Survey, civil services mentor etc.
- Get accustomed to the UPSC question pattern as questions have negative marking and time limit.
- Have faith in yourself & gather courage and the right attitude to face the examination with the satisfaction of having attempted thousands of questions of relevance to the Prelims.

For More Information about AITS Click below Link

http://upscportal.com/civilservices/AITS

The main features of the Essay course would be-

- Get articles on how to write a good essay, and how to improve your writing skills.
- 2 Essays per Month.
- Each Essay topic would be communicated, along with a suggested framework, to help you to get started.
- Thorough Evaluation of each essay by an expert team, along with the Grade-sheet for your essay, to let you know about the marks breakup.
- Communication about the quality and other aspects of the essay through mail and phone.
- Guidelines for each essay before you start writing.
- Automatic registration in monthly open essay competition.
- And, of course, attractive prizes for the top entries.
- The cost of the course has been low so as to help every section of the student community. Buying only a book costs you Rs. 300+, without any guidance and support. But the UPSCPORTAL gives you the opportunity to prepare for the essay paper in just Rs.599 Rs. 399, with all guidance and support, and prizes for the toppers.
- The Best Performers of the Essay Course would be awarded with a Certificate of Appreciation from UPSCPORTAL, to decorate your Resume.

For More Information Click below Link

http://www.upscportal.com/civilservices/courses/ias-mains-essay

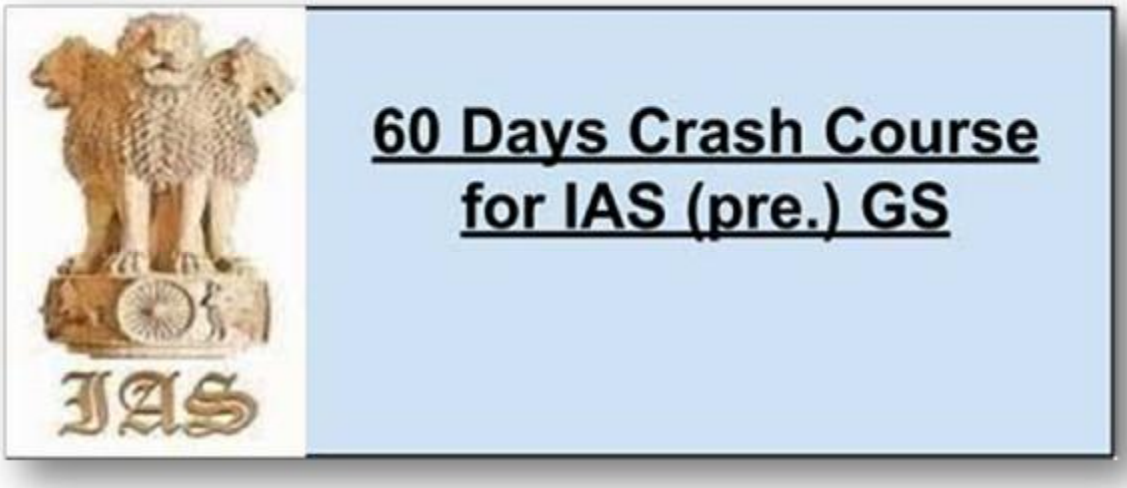

(Crack IAS) Crash Course for IAS (Pre) G.S. 2014

What candidate will get:

1. All the relevant and required materials of subjects mention in the GS syllabus like:

- **100% IAS Exam GS Syllabus** Covered with MCQs.
- History of India and Indian National Movement.
- Indian and World Geography - Physical, Social, Economic Geography of India and the World.
- Indian Polity and Governance - Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues, etc.
- Economic and Social Development -Sustainable Development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector initiatives, etc.
- General issues on Environmental Ecology, Bio-diversity and Climate Change - that do not require subject specialisation
- General Science.

2. **Current Events Timeline for Year 2014**

3. **Special Current Affairs for IAS Pre 2014.(Worth Rs 400)**

4. **The Gist of The Hindu, Yojana, Kurukshetra from Jan 2014-July 2014. (Worth Rs 300)**

5. **11 Comprehensive Online Tests with AIR and Score (Worth Rs 1200)**

For More Information Click below Link

http://www.upscportal.com/civilservices/crack-ias/60-days-online-crash-course-gs